NEWS CLIPPING:09.08.2023

PUNJAB KESARI

वैज्ञानिक अवधारणाओं को मातृभाषा में समझने की आवश्यकता : कुलपति प्रो . तोमर

■ वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद, 8 अगस्त (पूजा): वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के संस्थापक निदेशक तथा सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष में जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस.एस. भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से प्रोफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने की।

कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भारती (विभा) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभा हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जवाहर लाल के स्वागत संबोधन से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम का परिचय दिया तथा डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में 12 अगस्त 2023 को एनआईटी कुरुक्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रोफेसर गौरव वर्मा ने डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने डॉ. भटनागर के दूरदर्शी नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के माध्यम से भारत में विज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर एवं अन्य।

इससे पहले, प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने अपने संबोधन में डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के अमूल्य योगदान, दृष्टिकोण और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. भटनागर की विरासत को संरक्षित करने और वर्तमान पीढ़ी को उनके आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के महत्व पर बल दिया। प्रो. तोमर ने भारतीय विज्ञान की गहराई और भारतीय वैज्ञानिकों की बुद्धिमत्ता को रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने के महत्व पर बल देते हुए वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन करते हुए, विभा हरियाणा के सदस्य प्रो. सैथंस ने समापन भाषण दिया और प्रोफेसर गौरव वर्मा को उनके ज्ञानवर्धक मुख्य भाषण के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अरुण कुमार तथा विज्ञान भारती फरीदाबाद की टीम ने किया। कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित और विज्ञान भारती, नई दिल्ली द्वारा समर्थित था।

NEWS CLIPPING:09.08.2023

PIONEER

इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी पर एक सप्ताह का पाठ्यक्रम शुरू

ईवी प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में उभरते अवसरों पर चर्चा की

पायनियर समाचार। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी पर आयोजित एक सप्ताह के लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन सत्र में जेबीएम ग्रीन एनर्जी सिस्टम्स, गुरुग्राम के सीईओ अरुण कपूर और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली से प्रो. मुख्तियार सिंह मुख्य वक्ता रहे। सत्र में डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (एफईटी) प्रो. राजकुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. अंजू गुप्ता, डीन, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. साक्षी कालरा और डॉ. अनुभा गौतम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. अंजू गुप्ता ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों और महत्व के बारे में जानकारी दी। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. ग्रोवर ने तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव और परिवहन उद्योग के संदर्भ में ऐसे पाठ्यक्रमों के आयोजन के महत्वपूर्ण महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं और प्रतिभागियों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए।

डीन (एफईटी) प्रो. राज कुमार ने पाठ्यक्रम के आयोजन पर विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने, सतत परिवहन समाधानों में योगदान देने तथा विद्युतीय गतिशीलता की क्षमता का उपयोग करने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम मूल्यवान संसाधन होते हैं।

मुख्य वक्ता अरुण कपूर ने ईवी पावर-ट्रेन प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में उभरते व्यावसायिक परिदृश्य के बीच जटिल संबंधों पर जानकारी दी। इस सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों की ईवी पावर-ट्रेनों के तकनीकी पहलुओं की समझ को बढ़ाना और सतत बाजार विकास के लिए व्यवसायिक रणनीतियों पर ज्ञानवर्धन करना था।

प्रो. मुख्तियार सिंह ने नवीकरणीय ऊर्जा के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के एकीकरण पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बीच संबंध की जानकारी दी। उन्होंने प्रौद्योगिकी के संभावित लाभ और चुनौतियों का वर्णन किया तथा भविष्य की विद्युत गतिशीलता और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को स्थाई तथा लचीली ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना पर चर्चा की। इस एकीकरण के द्वारा ऊर्जा स्थिरता, ग्रिड स्थिरता बढ़ाने और परिवहन के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के संदर्भों पर भी चर्चा की गई।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:09.08.2023

AAJ SAMAJ

वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

वैज्ञानिक अवधारणाओं को मातृभाषा में समझने की आवश्यकता: प्रो. तोमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के संस्थापक निदेशक तथा सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से प्रोफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने की। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भारती (विभा) हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभा हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जवाहर लाल के स्वागत संबोधन से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम का परिचय दिया तथा डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष में 12 अगस्त 2023 को एनआईटी कुरुक्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर एवं अन्य।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रोफेसर गौरव वर्मा ने डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने डॉ. भटनागर के दूरदर्शी नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के माध्यम से भारत में विज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे पहले, प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने अपने संबोधन में डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के अमूल्य योगदान, दृष्टिकोण और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. भटनागर की विरासत को संरक्षित करने और वर्तमान पीढ़ी को उनके आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के महत्व पर बल दिया। प्रो. तोमर ने भारतीय विज्ञान की गहराई और भारतीय वैज्ञानिकों की बुद्धिमत्ता को रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने के महत्व पर बल देते हुए वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन करते हुए, विभा हरियाणा के सदस्य प्रो. सैथंस ने समापन भाषण दिया और प्रोफेसर गौरव वर्मा को उनके ज्ञानवर्धक मुख्य भाषण के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अहग कुमार तथा विज्ञान भारती फरीदाबाद की टीम ने किया। कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और विज्ञान भारती, नई दिल्ली द्वारा समर्थित था। इस सत्र में काफी संख्या में संकाय सदस्यों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

NEWS CLIPPING:09.08.2023

REPCO NEWS

'इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी' पर साप्ताहिक पाठ्यक्रम आरम्भ

फरीदाबाद, 8 अगस्त (रिपको न्यूज)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी' पर आयोजित एक सप्ताह के लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में जेबीएम ग्रीन एनर्जी सिस्टम्स, गुरुग्राम के सीईओ श्री अरुण कपूर और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली से प्रो. मुख्तियार सिंह मुख्य वक्ता रहे। सत्र में डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (एफईटी) प्रो. राजकुमार, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. अंजू गुप्ता, डीन, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. साक्षी कालरा और डॉ. अनुभा गौतम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. अंजू गुप्ता ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्यों और महत्व के बारे में जानकारी दी। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. ग्रोवर ने तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव और परिवहन उद्योग के संदर्भ में ऐसे पाठ्यक्रमों के आयोजन के महत्वपूर्ण महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते है और प्रतिभागियों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। डीन (एफईटी) प्रो. राज कुमार ने पाठ्यक्रम के आयोजन पर विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बने रहने, सतत परिवहन समाधानों में योगदान देने तथा विद्युतीय गतिशीलता की क्षमता का उपयोग करने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम मूल्यवान संसाधन होते है। मुख्य वक्ता श्री अरुण कपूर ने ईवी पावर-ट्रेन प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में उभरते व्यावसायिक परिदृश्य के बीच जटिल संबंधों पर जानकारी दी। इस सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों की ईवी पावर-ट्रेनों के तकनीकी पहलुओं की समझ को बढ़ाना और सतत बाजार विकास के लिए व्यावसायिक रणनीतियों पर ज्ञानवर्धन करना था। प्रो. मुख्तियार सिंह ने नवीकरणीय ऊर्जा के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के एकीकरण पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बीच संबंध की जानकारी दी। उन्होंने प्रौद्योगिकी के संभावित लाभ और चुनौतियों का वर्णन किया तथा भविष्य की विद्युत गतिशीलता और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को स्थाई तथा लचीली ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना पर चर्चा की। इस एकीकरण के द्वारा ऊर्जा स्थिरता, ग्रिड स्थिरता बढ़ाने और परिवहन के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के संदर्भों पर भी चर्चा की गई।

NEWS CLIPPING:09.08.2023

NAVBHARAT TIMES

वैज्ञानिक की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के संस्थापक निदेशक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती पर कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलजी पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे।

सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर ने की। यह कार्यक्रम विज्ञान भारती हरियाणा के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान भारती हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जवाहर लाल भी मौजूद रहे।